UNIVERSITY OF MUMBAI

No.UG/ 342 of 2004

CIRCULAR :-

A reference is invited to the Ordinances, Regulations and syllabi relating to the Master of Arts(M.A.) (Parts I & II) degree course vide Pamphlet No.157 and to this office Circular No.UG/153 of 1998 dated 19th May, 1998 and the Head, University Department of Hindi, the Principals of the affiliated Colleges in Arts and the Director, Institute of Distance Education are hereby informed that the recommendation made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 25th March.2004 has been accepted by the Academic Council at its meeting held on 2nd April, 2004 vide item No.4.56 and that in accordance therewith the revised syllabus and reference books in the subject of Hindi Papers I, III, V and VII at the M.A. Part I examination and Papers II, IV, VI and VIII at the M.A. Part II examination has been as per ***Appendix*** and that the same will be brought into force with effect from the academic year 2004-2005.

Mumbai 400 032,
16th August, 2004.

for I/c REGISTRAR

To,

The Head University Department of Hindi, the Principals of the affiliated colleges in Arts and the Director, Institute of Distance Education.

A.C.No.4.56/2.04.04

No.UG/ 342-A of 2004 MUMBAI-400 032 16th August,2004.

Copy forwarded with Compliments for information to:-

1) The Dean, Faculty of Arts
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi

for I/c REGISTRAR

Copy to:-

The Director, Board of College and University Development, the Controller of Examinations, the Deputy Registr (Eligibility and Migration Section), the Director of Students Welfare, the Personal Assistants to the Vice-Chancell the Pro-Vice-Chancellor, the Registrar and the Assistant Registrar, Administrative sub-center, Ratnagiri f information.

The Controller of Examinations (10 copies), the Finance and Accounts Officer (2 copies), Record Section (5 cop), Publications Section (5 copies), the Deputy Registrar, Enrolment, Eligibility and Migration Section (3 copies Deputy Registrar, Statistical Unit (2 copies) the Deputy Registrar (Accounts Section), Vidyanagari (2 copies Deputy Registrar, Affiliation Section (2 copies), the Director University Computer Center (IDE Building Vidyanagari, (2 copies) **the Assistant Registrar, Academic Authorities Unit (2 copies)and the Assist Registrar, Management Coun (2 copies). They are requested to treat this as action taken report on**

Scanned with OKEN Scanner

A.C. Item No. 4.56 dt. 2/4/2004

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus in the Subject of
Hindi Papers I, III, V, VII
at the M.A. Part - I
and
Papers II, IV, VI, VIII
at the M.A. Part - II
(Examination)

(with effect from the academic year 2004-2005, 2005-2006,2006-2007)

Scanned with OKEN Scanner

UNIVERSITY OF MUMBAI

List of the text Book and syllabus in the subject of Hindi of M.A. Part I & II Examination under the revised pattern to be brought into froce with effect from academic year 2004 - 05 till 2006-07. (i.e. 2004-2005, 2005-06, 2006-07)

पाठ्यक्रम (एम.ए. भाग - १)

हिन्दी

प्रश्न पत्र क्र. १ - आधुनिक ग़द्य साहित्य
प्रश्न पत्र क्र. ३ - हिन्दी साहित्य का इतिहास
प्रश्न पत्र क्र. ५ - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
प्रश्न पत्र क्र. ७ - प्रयोजनमूलक हिन्दी

- अथवां -

कथाकार प्रेमचन्द

- अथवा -

पत्रकारिता

एम. ए. भाग - २

प्रश्न पत्र क्र. २ - आधुनिक काव्य
प्रश्न पत्र क्र. ४ - भाषा-विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
प्रश्न पत्र क्र. ६ - काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
प्रश्न पत्र क्र. ८ - जनसंचार माध्यम

- अथवा -

नाटक और रंगमंच

- अथवा -

दलित साहित्य

Name :
1. Dr. Ratan Kumar Pandey (Converner)
2. Dr. Vishnu Sarvade
3. Dr. Arjun J. Gharat
4. Dr. Mukta Naidu
5. Dr. Madhav Pandit
6. Dr. Karunashankar Upadhyay
7. Dr. Anupama Dhanawade
8. Dr. Ramji Tiwari

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग - १

(अनिवार्य बीज-पत्र - १)

आधुनिक गद्य साहित्य

पाठ्य - विषय :

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित :

१. चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद

२. कोर्ट मार्शल - स्वदेश दीपक

३. गोदान - प्रेमचन्द

४. मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु

५. निबंध संकलन (निबंध धारा) :

निबंधधारा - सं. डॉ. हरिवंश पाण्डेय (जीवन प्रभात प्रकाशन)

क) साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है - बालकृष्ण भट्ट

ख) काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था - आ. रामचंद्र शुक्ल

ग) घर जोड़ने की माया - आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

घ) माँ भारती - रामवृक्ष बेनीपुरी

ङ) पगडंडियों का जमाना - हरिशंकर परसाई

च) फिर आवोगे न फागुन - विद्यानिवास मिश्र

ज) नीलकंठ उदास है - कुबेरनाथ राय

७) कहानी-संकलन डॉ. शिवशंकर पाण्डेय (अनंग प्रकाशन, नई दिल्ली)

क) मुक्ति-प्रसंग - प्रेमचन्द

ख) उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

ग) गुण्डा - जयशंकर प्रसाद

घ) पत्नी - जैनेन्द्र कुमार

ङ) जहाँ लक्ष्मी कैद है - राजेन्द्र यादव

च) जिंदगी और गुलाब के फूल - ऊषा प्रियंवदा

छ) बादलों के घेरे - कृष्णा सोबती

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी गद्य का इतिहास - डॉ. वच्चन सिंह

२. हिन्दी गंद्य का इतिहास - डॉ. रामचन्द्र तिवारी

Scanned with OKEN Scanner

३. हिन्दी साहित्य का इतिहास - स. डॉ. नगेन्द्र
४. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीशंकर वार्ष्णेय
५. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. वच्चन सिंह
६. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
७. नाटककार जयशंकर प्रसाद - स. सत्येन तनेजा
८. हिन्दी नाटक और रंगमंच - पहचान और परख - इंद्रनाथ मदान
९. नाटक तथा रंग परिकल्पना - डॉ. गिरीश रस्तोगी
१०. प्रेमचन्द और उनका युग - डॉ. राम विलाश शर्मा
११. प्रेमचन्द का पुनमूल्यांकन - डॉ. शंभूनाथ
१२. प्रेमचन्द और उनके उपन्यास - डॉ. ऊषा ऋषि
१३. अमृतलाल नागर का उपन्यास साहित्य - डॉ. प्रकाश मिश्र
१४. अमृतलाल नागर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व - डॉ. सूरज प्रकाश
१५. हजारी प्रसाद द्विवेदी व्यक्तित्व और साहित्य - गणपतिचन्द्र गुप्त
१६. शांति निकेतन से शिवालिक - स. डॉ. शिवप्रसाद सिंह
१७. हिन्दी साहित्य का नया इतिहास - डॉ. वच्चन सिंह
१८. निबंधकार पं. विद्यानिवास मिश्र - डॉ. श्रुति मुखर्जी
१९. आधुनिक हिंदी गद्य शैली का विकास - डॉ. श्याम वर्मा
२०. हिन्दी निबंधों का शैलीगत अध्ययन - डॉ. मु. ब. शहा
२१. नया साहित्य नए प्रश्न - नन्द दुलारे वाजपेयी
२२. हिन्दी कहानी कला - प्रताप नारायण टंडन
२३. समकालीन कहानी - युगबोध का संदर्भ - पुष्पपाल सिंह
२४. हिन्दी कहानी : सौ. वर्ष - वेद प्रकाश अमिताभ
२५. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र
२६. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा
२७. मोहन राकेश के नाटक - डॉ. शिवराज यादव
२८. नाटककार मोहन राकेश - डॉ. रीता कुमार
२९. कथाकार मन्नू भंडारी - डॉ. अनिता राजूरकर
३०. सामाजिक संदर्भो का कोर्ट मार्शल और अन्य निबंध - डॉ. माधव पंडित
३१. निबंधकार जैनेन्द्र कुमार - डॉ. विष्णु सरवदे

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग - २

(प्रश्न पत्र क्र. २)

आधुनिक - काव्य

पाठ्य-विषय :

१. कामायनी - जयशंकर प्रसाद
(व्याख्या हेतु - चिन्ता, लज्जा और आनंद सर्ग)

२. निराला (राग - विराग) - राम की शक्ति-पूजा, सरोज-स्मृति और कुकुरमुत्ता (व्याख्या हेतु)

३. दिनकर - कुरुक्षेत्र - पांचवा और सातवाँ सर्ग (व्याख्या हेतु)

४. आधुनिक काव्यधारा (अज्ञेय तथा नागार्जुन) - डॉ. सुधाकर मिश्र

अज्ञेय - नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, सबेरे उठा तो धूप खिली थी, आज थका हिय हारिल मोरा, नया कवि, आत्म स्वीकार सोन मछली, कितनी नावों में कितनी बार।

नागार्जुन - प्रतिबद्ध हूँ, वह तुम थी, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद, सिंदूर तिलकित भाल, वह दंतुरित मुस्कान, घिन तो नहीं आती, हरि जगगाथा, मन्त्र कविता।

५. ग. मा. मुक्तिबोध - अंधेरे में।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक काव्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ - डॉ. नगेंद्र
२. हिन्दी कविता में युगान्त - डॉ. सुधीन्द्र
३. कामायनी : काव्य, संस्कृति और दर्शन - डॉ. द्वारका प्रसाद सक्सेना
४. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं - डॉ. नगेन्द्र
५. प्रसाद का काव्य - डॉ. प्रेमशंकर
६. कामायनी : सं. कल्याणमल लोढ़ा
७. निराला - डॉ. रामविलास शर्मा
८. निराला : आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
९. क्रांतिकारी कवि निराला - डॉ. वच्चन सिंह
१०. निराला की कविताएं और काव्य - रेखा खरे
११. शब्द शब्द पर कुंकुम - वागीश शुक्ला
१२. निराला मूल्यांकन और मूल्यांकन - डॉ. परमानंद श्रीवास्तव
१३. निराला - स. डॉ. रामजी तिवारी

Scanned with OKEN Scanner

१४. समकालीन कवि : दृष्टि और बोध - डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
१५. जयशंकर प्रसाद का गीतिकाव्य - डॉ. शीतला प्रसाद दुबे
१६. कविता के नए प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह
१७. नयी कविता और अस्तित्ववाद - डॉ. रामविलास शर्मा
१८. नागार्जुन की काव्य यात्रा - डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
१९. शब्द और मनुष्य - डॉ. परमानंद श्रीवास्तव
२०. मुक्तिबोध - स. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
२१. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना - डॉ. नंदकिशोर नवल
२२. आधुनिक कविता का वैचारिक पक्ष - डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
२३. अलक्षित निराला - डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
२४. साठोत्तरी हिन्दी कविता - डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
२५. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य - डॉ. हुकूमचन्द राजपाल
२६. कटघरे का कवि धूमिल - डॉ. जी.टी. अष्टेकर
२७. अज्ञेय का काव्य : एक मूल्यांकन - डॉ. चन्द्रकांत बान्दिवडेकर
२८. समकालीन हिन्दी कविता की भूमिका - डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
२९. आधुनिक हिन्दी कविता : डॉ. हरदयाल
३०. नागार्जुन की कविता - डॉ. अजय तिवारी
३१. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
३२. सर्जनाकी परख - डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय
३३. आधुनिक हिन्दी कविता में काव्य चिंतन - डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय
३४. सामाजिक संदर्भों का कोर्ट मार्शल और अन्य निबंध - डॉ. माधव पंडित
३५. कुरूक्षेत्र एक अध्ययन - डॉ. विष्णु सरवदे

Scanned with OKEN Scanner

(एम.ए. भाग १)

(बीज पत्र) प्रश्न पत्र क्र. ३

(हिन्दी साहित्य का इतिहास)

पाठ्य विषय - खण्ड 'क'

- इतिहास - दर्शन और साहित्येतिहास
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं
- हिन्दी साहित्य का इतिहास - काल विभाजन और नामकरण
- हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ, सिंद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य।
- पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन.
- प्रमुख संत कवि और उनका अवदान (नामदेव, कबीर, नानक, दादू, रैदास)
- भारत में सूफी मत का विकास, सूफी तथा प्रमुख सूफी कवि एवं काव्य रचनाएं, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्व।
- राम एवं कृष्ण काव्य,भक्तीतर काव्य - प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य.
- उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण- ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएं, प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ।

खण्ड - ख :

- आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन१८५७ की क्रांति एवं पुनर्जागरण।
- भारतेन्दु युग - भारतेन्दु हरिश्चंद, बालकृष्ण भट्ट, प्रताप नारायण मिश्र, बाल मुकुन्द गुप्त की रचनाएँ एवं साहित्यिक विशेषताएँ।
- द्विवेदी युग - मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय एवं सियारामशरण गुप्त की रचनाएँ एवं साहित्यिक विशेषताएँ।
- हिन्दी की स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य-पंत, प्रसाद, निराला एवं महादेवी वर्मा की प्रमुख रचनाएं एवं साहित्यिक विशेषताएं।

Scanned with OKEN Scanner

- उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ - राष्ट्रीय - सांस्कृतिक चेतना, हालावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता नवगीत, साठोत्तरी कविता एवं समकालीन कविता - केदारनाथ अग्रवाल, शमशेर बहादुर सिंह, धर्मवीर भारती, गिरिजा कुमार माथुर, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, धूमिल लीलाधर जगूडी, दुष्यन्त कुमार, मगलेश डबराल, अरुणकमल, राजेश जोशी, अशोक वाजपेयी, की रचनाएं साहित्यिक विशेषताएँ।
- हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि) का विकास
- हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल
२. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन - डॉ. शिवकुमार मिश्र
४. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ रामकुमार वर्मा
५. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपति चंद्र गुप्त
६. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - नन्ददुलारे वाजपेयी
७. हिन्दी साहित्य उसका उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
८. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. राम स्वरुप चतुर्वेदी
९. उत्तरी भारत की संत परंपरा - परशुराम चतुर्वेदी
१०. हिन्दी काव्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर बड़थ्वाल
११. साहित्य और इतिहास दृष्टि - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
१२. द्वितीय युद्धोत्तर हिन्दी साहित्य - डॉ. शंभूनाथ पाण्डेय
१३. आदिकालीन हिन्दी साहित्य - डॉ. शंभूनाथ पांडेय
१४. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. वच्चन सिंह
१५. आधुनिक हिन्दी कविता का वैचारिक पक्ष - डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
१६. साठोत्तरी हिंदी कविता - डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
१७. समकालीन हिन्दी कविता : संवेदना और अभिव्यक्ति - डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
१८. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी : कथ्य और शिल्प - डॉ. शिवशंकर पाण्डेय
१९. आधुनिक हिन्दी कविता में काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२०. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. हिन्दी (भाग - २)
(भाषा-विज्ञान एवं हिन्दी भाषा)
प्रश्न पत्र क्र. - ४

पाठ्य - विषय : खण्ड - 'क'

१. **भाषा और भाषा-विज्ञान** - परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा - व्यवहार, भाषा - संरचना और भाषिक प्रकार्य

क) **भाषा विज्ञान** - स्वरुप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं - वर्णनात्मक ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

२. **भाषा का वर्गीकरण** - आकृतिमूलक, पारिवारिक (आर्य एवं द्रविड़ भाषाओं के विशेष संदर्भ में)

३. **स्वन प्रक्रिया** - स्वन विज्ञान का स्वरुप एवं शाखाएं, वाग अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।

४. **अर्थ परिवर्तन** - अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध एवं अर्थ प्रतीति के माध्यम, अर्थ परिवर्तन - दिशाएं एवं कारण।

५. **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** - प्राचीन भारतीय भाषाएं - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं मध्यकालीन भारतीय भाषाएं - पालि, प्राकृत - शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।

खण्ड - 'ख' :

६. **व्याकरण** - रूप प्रक्रिया का स्वरुप एवं शाखाएं, रुपिम की अवधारणा एवं भेद : मुक्त आबद्ध, अर्थदर्शी एवं शबदर्शी, संबंधदर्शी रुपिम के भेद और प्रकार्य, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव, विश्लेषण, गहन - संरचना और वाह्य संरचना।

७. **हिन्दी का भाषिक स्वरुप** - हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था - खंड्य, खंड्येतर, हिन्दी शब्द-रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूप रचना - लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप हिन्दी - वाक्य रचना : पदक्रम और अन्विति ।

८. **हिन्दी का भौगोलिक विस्तार** - हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां, खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

९. **देवनागरी लिपि** - विशेषताएं एवं मानकीकरण।

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ :

१. भाषा विज्ञान की भूमिका - डा. देवेन्द्रनाथ शर्मा
२. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
३. सामान्य भाषा - विज्ञान - डॉ. बाबू राम सक्सेना
४. भाषा विज्ञान की रुपरेखा - डॉ. हरीश शर्मा
५. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
६. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह
७. भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
८. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास - डॉ उदयनारायण तिवारी
९. हिन्दी : उद्‌भव, विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी
१०. हिन्दी की लिपि - संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
११. नागरी लिपि : रूप और सुधार - मोहन वृज
१२. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त - डॉ. रामकिशोर शर्मा
१३. अभिनव भाषा विज्ञान : सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. उदयनारायण तिवारी
१४. हिन्दी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - डॉ. अम्बा प्रसाद सुमन
१५. हिन्दी भाषा का विकास - धीरेंद्र वर्मा
१६. नागरी लिपि - गौरीशंकर हीराचंद ओझा
१७. भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी - सुनीति कुमार चटर्जी
१८. हिन्दी की उपभाषाएं और ध्वनियाँ - रामचन्द्र मिश्र
१९. हिन्दी भाषा : संरचना और प्रयोग - डॉ. रवीन्द्र श्रीवास्तव
२०. भारतीय लिपियों की कहानी - गुणाकार मुले।

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग - १
प्रश्न पत्र क्र. - ५ (बीज पत्र)
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पाठ्य विषय - इस प्रश्न पत्र में व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नलिखित ६ कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

१. विद्यापति - वंदना, सं. रामवृक्ष बेनीपुरी
वय : सन्धि - २, ४, ५९,
नख शिख - १०, ११, १४, १९, २२
प्रेम प्रसंग - २७, ३५, ३७, ३९, ४९
मिलन - ७२, ७४, ७५
अभिसार - १०२, १११, ११३
विरह - १८७, १९१, १९४

२. कबीर : कबीर स. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
साखी - गुरुदेव को अंग - १, ३, १०, १४, २१, २७, २८, ३०, ३३, ३४
सुमिरन को अंग - ३, ४, ५, १०, १४, १७, २१, २५, २८, ३१
विरहौ को अंग - ४, ५, ६, १५, १८, २२, २३, २६, ३०, ३३
परचै को अंग - १, ३, १२, १७, २७, ३३, ३९, ४३, ४५, ४७
चितावनी - ४, ६, १५, १९, २२, ४४, ४५, ५३, ६०, ६२
मन को अंग - १, ५, १२, १३, २१
माया को अंग - ३, ६, २०, ३०, ३२
काल को अंग - १, ४, ६, ८, १४, २९, ३०,
निर्गुण को अंग - १०, १२
करनी बिना कथनी - २, ४
उपदेश - ४, ७, ९,
कस्तुरीय - १, ५
विचार - ४, ८, १०
सुरातन को अंग - १९, २१, २५, २७, ३४, ४१
निंद्या - २, ३८
पद - ११, १६, ४४, ४९, ७०, ७१, ८९, १११, ११५, १२७, १५०, १६४, १७१, २१९, २४३, २५२, ३०१, ३०६, ३०८, ३२५, ३७०, ३७९, ३८९

Scanned with OKEN Scanner

३. जायसी - पद्मावत - स. आ. रामचंद्र शुक्ल सिंहलद्वीप और नागमती वियोग खंड

४. सूरदास - भ्रमरगीतसार - स. रामचंद्र शुक्ल आरंभ के ५० पद

५. तुलसीदास - रामचरितमानस (गीता प्रेस) अयोध्याकाण्ड (प्रथम २०१ से २५० दोहा)

६. बिहारी लाल - बिहारी रत्नाकर - स. जगन्नाथदास रत्नाकर प्रथम सौ दोहे

संदर्भ ग्रंथ :

१. विद्यापति - डॉ. शिवप्रसाद सिंह
२. गोरखनाथ और उनका युग - रांगेय राघव
३. नामदेव जीवन और साहित्य - डॉ. रामचन्द्र मिश्र
४. कबीर की विचारधारा - डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
५. कबीर : व्यक्तित्व कृतित्व एवं सिद्धान्त - डॉ. सरनाम सिंह
६. कबीर साहित्य की परख - आ. परशुराम चतुर्वेदी
७. कबीर साधना और साहित्य - डॉ. प्रताप सिंह चौहान
८. सूरदास का काव्य वैभव - डॉ. मुंशीराम शर्मा
९. सूर साहित्य : नव्य मूल्यांकन - डॉ. चंद्रभान रावत
१०. सूर की काव्य-कला - डॉ. मनमोहन गौतम
११. सूर और उनका साहित्य - हरवंशलाल शर्मा
१२. तुलसीदास और उनका युग - डॉ. राजपति दीक्षित
१३. तुलसी दर्शन - मीमांसा - डॉ. उदयभानु सिंह
१४. तुलसी आधुनिक वातायन से - डॉ. रमेश कुंतल 'मेघ'
१५. युग कवि विहारी और उनका काव्य वैभव - स. डॉ. भगीरथ मिश्र
१६. बिहारी और उनका साहित्य - डॉ. हरवंश लाल शर्मा
१७. बिहारी का काव्य लालित्य - रमाशंकर तिवारी
१८. मध्यकालीन कवि और कविता - डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
१९. मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. हिन्दी (भाग - २)

प्रश्न पत्र क्र. - ६

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

खण्ड 'क'

पाठ्य विषय : (संस्कृत काव्यशास्त्र)

- रस सिद्धान्त - रस का स्वरुप, रस - निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
- अलंकार सिद्धान्त - मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण
- रीति सिद्धान्त - रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त - अवधारणा, भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
- ध्वनि सिद्धान्त - स्वरूप, प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद गुणीभूत व्यंग्य।
- हिन्दी आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिन्तन आ. रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह, मुक्तिबोध

खण्ड - 'ख'

२. पाश्चात्य काव्य शास्त्र

- प्लेटो-काव्य सिद्धान्त
- अरस्तू - अनुकरण सिद्धान्त त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत
- लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा।
- मैथ्यू आर्नल्ड - आलोचना का स्वरूप तथा प्रकार्य
- टी.एस. इलिएट - परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण
- आई ए. रिचड्र्स - रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना
- सिद्धान्त और वाद - आभिजात्यवाद - स्वच्छन्तावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद
- आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियाँ - संरचनावाद, विखंडनवाद, उत्तरआधुनिकतावाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. भारतीय साहित्यशास्त्र - डॉ. बलदेव उपाध्याय
२. भारतीय काव्य की परंपरा - स. डॉ. नगेंद्र

Scanned with OKEN Scanner

३. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त - डॉ. शान्ति स्वरूप गुप्त
४. साहित्य का मूल्यांकन - डॉ. रामचंद्र तिवारी
५. रस सिद्धान्त : स्वरूप और विश्लेषण - डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
६. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा
७. रस - सिद्धान्त : डॉ. नगेंद्र
८. काव्यतत्व विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
९. ध्वनि सिद्धान्त और हिन्दी के प्रमुख आचार्य - डॉ. टी.एन. राय
१०. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
११. साहित्यशास्त्र - डॉ. कमलाप्रसाद पांडेय
१२. भारतीय समीक्षा सिद्धान्त - सूर्यनारायण द्विवेदी
१३. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धान्त - डॉ. रामलाल सिंह
१४. आधुनिक हिन्दी कविता का वैचारिक पक्ष - डॉ. रतनकुमार पांडेय
१५. रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
१६. आलेचक का दायित्व - डॉ. रामचंद्र तिवारी
१७. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. निर्मला जैन
१८. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार - स. देवीशंकर नवीन
१९. उत्तर आधुनिक : साहित्यिक विमर्श - डॉ सुधीश पचौरी
२०. हिन्दी अलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
२१. आलोचक नामवर सिंह - सं.
२२. नामवर के विमर्श - स. डॉ. सुधीर पचौरी
२३. रामविलास शर्मा और परंपरा का मूल्यांकन - गीता शर्मा
२४. आधुनिक हिन्दी आलोचना : सौंदर्य एवं दृष्टि - डॉ. रामचंद्र तिवारी
२५. कहना न होगा - डॉ. समीक्षा ठाकुर
२६. पाश्चात्य काव्य : चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२७. समीक्षा के विविध आधार - सं. डॉ. रामजी तिवारी

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग - १
प्रश्न पत्र क्र. - ७
प्रयोजनमूलक हिन्दी

खण्ड - 'क'

१. प्रयोजनमूलक हिन्दी - स्वरुप एवं अवधारणा
क - ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य (मुस्लिम तथा ब्रिटिश काल)
ख - संकल्पना : संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा

२. राजभाषा हिन्दी
क) स्वरूप, संकल्पना एवं आवश्यकता
ख) संविधान में भाषा संबंधी उपबंध (संविधान की आठवीं अनुसूची)

३. संवैधानिक प्रावधान -
० अनु. ३४३ से अनु. ३५१ तक
० राष्ट्रपति के निर्देश
० राजभाषा आयोग
० संसदीय समिति
० राजभाषा समितियाँ
० भाषा-नीति संबंधी सरकारी संकल्प
० संघ की भाषा
० राजभाषा की समस्याएं
० संवैधानिक स्थिति।

४. सूचना और प्रौद्योगिकी में हिन्दी

५. हिंदी का अन्तर्राष्ट्रीय स्वरुप

खण्ड - 'ख'

६. विज्ञापन और हिन्दी
० विज्ञापन स्वरुप और वर्गीकरण
० विज्ञापन : भारतीय स्थिति
० विज्ञापन और बाजार

Scanned with OKEN Scanner

० विज्ञापन माध्यम
० विज्ञापन एजेंसियाँ
० विज्ञापन निर्माण
० विज्ञापन और कानून
० विज्ञापन और दूरदर्शन

७. अनुवाद :
० स्वरुप और प्रकृति
० अनुवाद के सिद्धान्त
० अनुवाद : प्रक्रिया
० अनुवाद : प्रभेद
० अनुवाद के उपकरण
० अनुवाद के क्षेत्र एवं समस्याएं
० अनुवादक की विशेषताएं।
० मुहावरे, कहावतें एवं लोकोक्तियों के अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. राष्ट्रभारती - आ. काका कालेलकर
२. भारतीय राष्ट्रभाषा सीमाएं - डॉ. सत्यव्रत
३. राजभाषा हिन्दी - प्रकाशन विभाग
४. राजभाषा हिन्दी - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
५. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. विनोद गोदरे
६. आधुनिक विज्ञापन - डॉ. प्रेमचन्द पातंजलि
७. व्यावसायिक हिन्दी - डॉ. प्रेमचन्द पातंजलि
८. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और व्यवहार - डॉ. रघुनंदन प्रसाद शर्मा
९. विज्ञापन सिद्धान्त एवं प्रयोग - विजयकुल श्रेष्ठ
१०. राजभाषा के संदर्भ में हिंदी आंदोलन का इतिहास - डॉ. उदयनारायण दूबे
११. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और अनुप्रयोग - डॉ. नगेंद्र
१२. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं - डॉ. भोलानाथ तिवारी
१३. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
१४. अनुवाद कला - डॉ. विश्वनाथ अय्यर
१५. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. माधव सोनटक्के

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग - १
विशेष अध्ययन (विकल्प)
प्रश्न पत्र क्र. - ७ (कथाकार प्रेमचन्द)

पाठ्य विषय :

१. सेवासदन
२. कर्मभूमि
३. रंगभूमि
४. गबन
५. मानसरोवर (भाग १ और भाग ५)

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रेमचंद और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा
२. प्रेमचन्द साहित्य के उपन्यासों का शिल्प विधान - डॉ. कमल किशोर गोयनका
३. प्रेमचन्द साहित्य में व्यक्ति और समाज - डॉ. रक्षा पुरी
४. प्रेमचन्द का पुनर्मूल्यांकन - डॉ. शंभूनाथ
५. प्रेमचन्द और उनके उपन्यास - डॉ. उषा ऋषि
६. प्रेमचन्द व्यक्ति और रचना दृष्टि - डॉ. दयाशंकर पांडेय
७. प्रेमचन्द की उपन्यास यात्रा - डॉ. शैलेश जैदी
८. प्रेमचन्द : एक अध्ययन - राजेश्वर गुरू
९. प्रेमचन्द की विरासत - राजेंद्र यादव
१०. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य - डॉ. गोपाल राय
११. आद्यबिम्ब और गोदान - डॉ. कृष्ण मुरारी मिश्र
१२. प्रेमचन्द : आज के संदर्भ में - डॉ. गंगाप्रसाद विमल
१३. गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन - नत्थन सिंह
१४. प्रेमचन्द : विरासत का सवाल - डॉ. शिवकुमार मिश्र
१५. उपन्यासकार प्रेमचन्द - स. सुरेशचन्द्र गुप्त
१६. महाकाव्यीय प्रतिभा के धनी प्रेमचन्द - डॉ. चन्द्रकान्त बान्दिबडेकर

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग - १ (हिन्दी) (विकल्प)

प्रश्न पत्र क्र. - ७ (पत्रकारिता)

खण्ड 'क'

१. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।

२. पत्रकारिता : उद्‌भव एवं विकास।

३. भारत में पत्रकारिता का आरंभ

४. पत्रकारिता के विविध रूप

५. पत्रकारिता और रचनात्मक लेखन

क) प्रिंट पत्रकारिता - मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आऊट तथा पृष्ठ सज्जा
ख) इलेक्ट्रानिक मीडिया - रेडियो, टी.बी. केबल, मल्टीमीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता एवं फोटो पत्रकारिता

६. समाचार-पत्रकारिता के मूलतत्व - समाचार संकलन, लेखन के प्रमुख आयाम

७. पत्रकारिता से संबंधित लेखन :-

संपादकीय, फीचर, रिपोतार्ज, साक्षात्कार, खोजी पत्रकारिता, अपराध जगत की पत्रकारिता, संसदीय पत्रकारिता, अनुर्वतन (फालोअप की प्रविधि)

८. पत्रकारिता का प्रबंधन :
क) प्रशासनिक व्यवस्था ख) विपणन व्यवस्था (बिक्री) ग) वितरण व्यवस्था

९. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना - दृश्य सामग्री की व्यवस्था (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स)

१०. समाचार के विभिन्न स्रोत

११ . संवाददाता की अर्हता (योग्यता) श्रेणी एवं कार्य पद्धति

खण्ड 'ख'

११. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार
क) सूचनाधिकार ख) मौलिक अधिकार

१२. प्रेस - कानून एवं आचार - संहिता

१३. मुक्त प्रेस की अवधारणा तथा पत्रकारिता का दायित्व

१४. हिन्दी पत्रकारिता : क) दशा, दिशा एवं संभावनाएं।

१५. भूमण्डीकरण, बाजारवाद और हिन्दी पत्रकारिता।

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ :

१. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे - राज किशोर
२. आजादी के पचास वर्ष और हिन्दी पत्रकारिता - सविता चड्ढा
३. पत्रकार और पत्रकारिता - डॉ. रमेश जैन
४. पत्रिका : संपादन कला - रामचन्द्र तिवारी
५. समाचार पत्र व्यवस्थापन - अनन्त गोपाल शेवड़े
६. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम - डॉ. वेदप्रकाश वैदिक
७. संवाद और संवाददाता - राजेन्द्र
८. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग - २

प्रश्न पत्र क्र.-८ (विकल्प)

जनसंचार माध्यम

खण्ड - 'क'

१. जनसंचार माध्यम : एक तथ्यात्मक विचार
- ० अर्थ (जनसंचार का अर्थ)
- ० जन संचार के विविध रूप
- ० जनसंचार एवं जनहित

२. जनसंचार माध्यम
- ० मुद्रित माध्यम
- ० आकाशवाणी
- ० दूरदर्शन
- ० फिल्में (चित्रपट)

३. जनसंचार माध्यमों का दायित्व
- ० सामाजिक
- ० शैक्षिक
- ० आर्थिक
- ० सांस्कृतिक
- ० नैतिक

४. जनसंचार माध्यम : सूचना समाज एवं विचारधारा

५. संचार माध्यमों की भाषा

६. संचार माध्यमों में हिंदी के प्रयोग की दशा

खण्ड 'ख'

७. माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप एवं प्रमुख प्रकार

८. हिन्दी माध्यम लेखन : संक्षिप्त परिचय

९. रेडियो नाटक की प्रविधि

१०. रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडिया नाटक का अंतर

११. रेडियो नाटक के मुख्य भेद - रेडियो धारावाहिक, रेडियो रुपांतर, संगीत रुपक, आलेख रुपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)

१२. टी.बी. (दूरदर्शन) नाटक की तकनीक

Scanned with OKEN Scanner

० टेली ड्रामा
० टेली फिल्म
० डाक्यूड्रामा तथा धारावाहिकों में साम्य - वैषम्य

१३. साहित्यिक विधाओं का - दृश्य श्रव्य रुपान्तर कला

१४. इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि

१५. विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि

संदर्भ ग्रंथ :

१. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक पक्ष - जवरीमल पारख
२. जनसंचार माध्यम के सामाजिक संदर्भ - जवरीमल पारख
३. जनसंचार माध्यम और हिन्दी - स. डॉ. वीणामन चंदा
४. मीडिया और साहित्य - सुधीश पचौरी
५. संपर्क भाषा हिंदी और आकाशवाणी - डॉ. पवूर शशीन्द्रन
६. इलेक्ट्रानिक माध्यम : रेडियो और दूरदर्शन - डॉ. राममोहन पाठक
७. हिन्दी पत्रकारिता : दूरदर्शन और टेलीफिल्में - सविता चड्ढा
८. जन माध्यम और मास कल्चर - जगदीश्वर चतुर्वेदी
९. रेडियो नाटक - डॉ. ए.पी. सिंह
१०. आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिंदी - डॉ. हरिमोहन
११. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - डॉ. हरिमोहन
१२. भारत में जनसंपर्क - डॉ. बलदेव राज गुप्त
१३. मीडिया और बाजारवाद - स. रामशरण जोशी

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. भाग - २ (हिन्दी) विशिष्ट विधा का अध्ययन

वैकल्पिक प्रश्न पत्र क्र. - ८

नाटक और रंगमंच

पाठ्य पुस्तक :

१. भारत दुर्दशा - भारतेन्दु हरिश्चंद
२. ध्रुव स्वामिनी - जयशंकर प्रसाद
३. लहरों के राजहंस - मोहन राकेश
४. कोणार्क - जगदीशचंद्र माथुर
५. अंधायुग - धर्मवीर भारती
६. आठवां सर्ग - सुरेंद्र वर्मा

(नोट - हिंदी नाटकों की विकास यात्रा और मंचीय परंपरा का अध्ययन अपेक्षित हैं।)

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी नाटक सिद्धान्त और विवेचन - डॉ. गिरीश रस्तोगी
२. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव - विश्वनाथ मिश्र
३. हिन्दी नाटकों की शिल्प विधि - श्रीमती गिरिजा सिंह
४. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास - दशरथ ओझा
५. भारतेन्दु के नाटक-प्रकाशक - बंगीय हिन्दी परिषद कलकत्ता।
६. प्रसाद के नाटकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन - डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
७. प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक तथा सामाजिक विवेचन - डॉ. जगदीश चंद्र जोशी
८. नाटककार जयशंकर प्रसाद - स. डॉ. सत्येंद्र तनेजा
९. नाटककार जगदीशचंद्र माथुर - डॉ. गोविन्द चातक
१०. हिन्दी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख - डॉ. इंद्रनाथ मदान
११. मोहन राकेश के नाटक - डॉ. शिवराज यादव

Scanned with OKEN Scanner

दलित साहित्य

प्रश्न पत्र क्र. - ८.(विकल्प)

पाठ्य पुस्तकें :

१. 'जूठन' (आत्मकथा) - ओमप्रकाश वाल्मीकि
राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली -२.

२. 'आधे पर अंत' (कहानी संग्रह) - विपिन बिहारी
अतिश प्रकाशन, १ बी पॉकेट, १-एफ,जी-८, एरिया, हरिनगर, दिल्ली

३. 'हैलो कामरेड' (नाटक) - मोहनदास नैमिषराय, सर्वस्व फाऊंडेशन दिल्ली.

४. 'मूक माटी की मुखरता' (कविता) - पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी
विकल्प प्रकाशन, कृष्णा पार्क, तिलक नगर, दिल्ली-१८.

५. 'छप्पर' (उपन्यास) - जयप्रकाश कर्दम
राहुल प्रकाशन, ३०/६४, गली नं. ८, विकासनगर, शाहदरा, दिल्ली - ३२.

६. 'यादों के पंछी - (अनुदित आत्मकथा) डॉ. प्र. ई. सोनकामळे - अनु. सुर्यनारायण रणसुभे

संदर्भ ग्रंथ :

१. भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री - डॉ. चमनलाल
सारांश प्रकाशन प्रा. लि. १४२-२, ई पॉकेट, ४ मयूर बिहार दिल्ली -९१.

२. मेरा दलित चिंतन - डॉ. एन. सिंह,
कुंचन प्रकाशन, ३०/६४, गल्ली नं. ८, विश्वास नगर, दिल्ली - ३२.

३. दलित साहित्य सृजन के संदर्भ - डॉ. पुरुषोत्तम
सत्यप्रेमी कामना प्रकाशन, सी-१९, डी.डी.ए. इस्ट ऑफ लोनी वोड, दिल्ली- ९३.

४. दलित चेतना - स. रमणिका गुप्ता, नवलेखन प्रकाशन, मेन रोड, हजारीबाग (बिहार)

Scanned with OKEN Scanner

५. आज का दलित साहित्य - डॉ.तेज सिह
अतिश प्रकाशन, ९ बी पॉकेट, एफ.आई जी-८ एरिया हरिनगर, दिल्ली - ६४.

६. दलित चेतना : साहित्य एवं सामाजिक सरोकार - डॉ. रमणिक समीक्षा प्रकाशन, दिल्ली - ११०००३१.

७. दलित चेतना : साहित्य सं. रमणिका गुप्ता, नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग.

८. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

९. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार लिंबाले.

१०. वसुधा दलित विशेष अंक २००३ (पत्रिकाएं)

११. कथाक्रम दलित विशेष अंक

१२. हंस

१३. अस्वस्त

१४. अपेक्षा अंक १, २, ३, ४

हंस पत्रिका-दिल्ली, कथाक्रम- लखनऊ, कथादेश, आश्वस्त - भोपाल, अपेक्षा पत्रिका - दिल्ली के अंक

मराठी :

१. दलितापी आत्मकथने - डॉ. वासुदेव मुलाटे, स्वरुप प्रकाशन, औरंगाबाद.

२. दलित साहित्य - योगेन्द्र मेश्राम, श्री. मंगेश प्रकाशन, रामदास पेठ, नागपुर

३. द.भा. आमचे क्रांतिविज्ञान - बाबुराव बागुळ, बुद्धीस हाऊस, नागपुर

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र का स्वरुप

१. प्रश्न पत्र क्र. १, २, ५, तथा कथाकार प्रेमचन्द, (प्र. पत्र. क्र. ७), नाटक और रंगमंच (प्र. पत्र क्र. ८.) 'दलित साहित्य' (प्र. पत्र. क्र. ८) में प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक-एक गद्यांश / पद्यांश व्याख्या के लिए पूछे जाएंगें। कुल ४० अंको के लिए किन्हीं ४ की ससंदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य होगा। सभी के अंक समान होगें इसके अतिरिक्त कुल ६ प्रश्न आलोचनात्मक पूछे जाएंगे, जिनमें किन्हीं ४ प्रश्नों का उत्तर देना होगा? इसके लिए कुल ४० अंक होंगे। अंतिम प्रश्न वस्तु निष्ठ तथा अति लघुत्तरी दो भागों में बंटा होगा। दोनों के लिए दस - दस अंक निर्धारित हैं।

२. शेष प्रश्न पत्रों में कुल ६ प्रश्न होंगें। प्रथम सात प्रश्न आलोचनात्मक होंगें तथा प्रत्येक के लिए १६ अंक निर्धारित होंगें। इनमें से किंहीं पांच प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। अंतिम छंठा प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा लघुत्तरी प्रश्न, दो भागों में विभाजित होगा। दोनों के लिए दस - दस अंक निर्धारित हैं।

३. प्र. पत्र क्रमाक ३ में प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे तथा अंतिम प्रश्न केवल आधुनिक काल पर पूछा जाएगा।

Scanned with OKEN Scanner